

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 305 ]  
No. 305]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 20, 1996/भाद्र 29, 1918  
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 20, 1996/BHADRA 29, 1918

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1996

सा. का. नि. 434(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) धारा-132 की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा-124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुरगांव पत्तन के लिए न्यासी मंडल द्वारा तैयार मुरगांव पत्तन कर्मचारी (अध्ययन छुट्टी) संशोधन विनियम, 1996 और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची के लिए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा अनुमोदन देती है।

2. कथित विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

अनुसूची

मुरगांव पत्तन कर्मचारी (अध्ययन छुट्टी) विनियम, 1964 में संशोधन

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा-28 के साथ पठित धारा 124(1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुरगांव पत्तन न्यास का न्यासी मंडल मुरगांव पत्तन कर्मचारी (अध्ययन छुट्टी) विनियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है :—

- (1) इन विनियमों को मुरगांव पत्तन कर्मचारी (अध्ययन छुट्टी) (संशोधन) विनियम, 1996 कहा जायेगा।
- (2) ये विनियम केन्द्रीय सरकार की मंजूरी भारतीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होंगे।

1. विनियम-3(2)(iii) के अंत में निम्न को जोड़ा जाए।

टिप्पणी : विनियम-3(2) (iii) के अधीन आने वाले अध्ययन छुट्टी के आवेदनों पर विचार प्रत्येक मामले के गुणावगुण के आधार पर किया जाएगा।

2. विनियम-3.3 (i) और (iii) के बीच में निम्नलिखित दो प्रावधानों को जोड़ा जाए :

परंतु यह कि चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन करने के लिए चिकित्सा अधिकारी को अध्ययन छुट्टी मंजूर किया जाए यदि मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रमाणित करता है कि इस प्रकार का अध्ययन चिकित्सा अधिकारी को अपने कर्तव्यों के पालन में कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए मूल्यवान् है।

परंतु यह भी कि प्रत्येक मामले के गुणावगुण के आधार पर किसी विशेषज्ञ अथवा तकनीकी व्यक्ति को उसके कार्यक्षेत्र से सीधा संबंध रखने वाले स्नातकोत्तर अध्यापन करने के लिए अध्ययन छुट्टी मंजूर किया जाए यदि संबंधित विभागाध्यक्ष प्रमाणित करता है कि इस अध्ययन से विशेषज्ञ अथवा तकनीकी व्यक्ति को, जैसी भी स्थिति है, अपने कर्तव्य क्षेत्र में हो रहे आधुनिक विकास का ज्ञान रखते, अपने तकनीकी तथा कार्यक्षमता स्तर को बढ़ाने में

सहायक सिद्ध होगा तथा इससे अधिक लाभ होगा ।

3. मौजूदा विनियम 3(5) (i) को छोड़ दें और निम्नलिखित से प्रतिस्थापित करें :

विनियम-3 (5) : अध्ययन छुट्टी उस कर्मचारी को दी जाए :

(i) जो परीक्षा अवधि को संतोषजनक रूप में पूरा किया हो और कम-से-कम पांच वर्ष तक नियमित लगातार पदतन की सेवा की हो, जिसमें परीक्षा अवधि शामिल है ।

4. मौजूदा विनियम 3(5)(ii) को छोड़ दें और मौजूदा विनियम 3(5)(iii) को 3(5)(ii) की संख्या दी जाए ।

5. निम्नलिखित को विनियम 3.5 (iii) के रूप में जोड़ा जाए :

(iii) जो छुट्टी की समाप्ति के बाद तीन वर्ष की अवधि के लिए पदतन की सेवा करने का बंधपत्र निष्पादित करेगा ।

6. विनियम 5(i) में "अपवादिक कारणों को छोड़कर जिस पर कि विचार नहीं किया जाएगा" शब्दों को छोड़ दें और निम्न प्रकार से पढ़ा जाए;  
"आमतौर पर एक समय में बारह महीने ।"

7. विनियम 5 (ii) के अंत में स्पष्टीकरण (i) और (ii) को जोड़ा जाए :

**स्पष्टीकरण :** (i) कर्मचारी एक से अधिक अवधि में अध्ययन छुट्टी ले सकता है किन्तु शर्त यह होगी कि विभिन्न अवधियों में ली गई अध्ययन छुट्टी 24 महीने से अधिक नहीं होगी ।

(ii) सक्षम प्राधिकारी 12 महीनों से अधिक किन्तु 24 महीनों तक की अवधि के लिए अध्ययन छुट्टी मंजूर कर सकता है बशर्ते कि अध्ययन छुट्टी की मंजूरी से पहले की अन्य सभी शर्तों का पालन किया गया हो ।

8. निम्नलिखित को विनियम-6 के रूप में जोड़ा जाए :

**विनियम-6 : अध्ययन छुट्टी के लिए आवेदन :**

1(i) अध्ययन छुट्टी के लिए हर एक आवेदन छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के उचित माध्यम से प्रस्तुत करना होगा ।

(ii) कर्मचारी जिस पाठ्यक्रम अथवा पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना चाहता है उसे इस प्रकार के आवेदन में "स्पष्ट रूप में" लिखना होगा ।

(2) यदि कर्मचारी द्वारा आवेदन में पूर्ण विवरण देना संभव नहीं है अथवा यदि भारत छोड़ने के बाद भारत में अनुमोदित कार्यक्रम में उसे कोई परिवर्तन करना है, तो कर्मचारी को इसका पूरा ब्यौरा छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी को यथाशीघ्र प्रस्तुत करना होगा और पाठ्यक्रम का अध्ययन शुरू नहीं करेगा अथवा इससे संबंधित खर्च नहीं करेगा जब तक कि अध्ययन छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी से उसे अनुमोदन प्राप्त होता है बशर्ते कि वह अपनी जोखिम पर यह करना चाहता हो ।

**विनियम 6 (क) अध्ययन छुट्टी की मंजूरी :**

(1) अध्ययन छुट्टी की ग्राह्यता के बारे में लेखा अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करना होगा ।

परंतु यह कि कर्मचारी द्वारा पहले ही ली गई अध्ययन छुट्टी, यदि कोई हो, रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा ।

(2) जहां कर्मचारी किसी एक विभाग अथवा स्थापना के केन्द्र (संवर्ग) में स्थायी रूप में है, किन्तु किसी दूसरे विभाग अथवा स्थापना में अस्थायी रूप में कार्य कर रहा हो तो उसे अध्ययन छुट्टी देने की यह शर्त होगी कि छुट्टी मंजूर करने से पहले वह जिस विभाग अथवा स्थापना से स्थाई रूप में संलग्न है उनकी सहमति प्राप्त करनी होगी ।

3(क) प्रत्येक स्थाई कर्मचारी को, जिसे अध्ययन छुट्टी मंजूर की गई है अथवा अध्ययन छुट्टी को बढ़ा दी गई है, अध्ययन छुट्टी अथवा अध्ययन छुट्टी को बढ़ाते हुए दी गई मंजूरी के आरंभ होने से पहले उसे फॉर्म-ए अथवा फॉर्म-बी, जैसी भी स्थिति है, में बंधपत्र का निष्पादन करना होगा ।

(ख) प्रत्येक कर्मचारी जो स्थाई रोजगार में नहीं है को, जिसे अध्ययन छुट्टी मंजूर की गई है अथवा अध्ययन छुट्टी को बढ़ा दी गई है, अध्ययन छुट्टी अथवा अध्ययन छुट्टी को बढ़ाते हुए दी गई मंजूरी के आरंभ होने से पहले उसे फॉर्म-सी अथवा फॉर्म-डी जैसी भी स्थिति है, में बंधपत्र का निष्पादन करना होगा ।

(ग) छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी इस आशय का प्रमाणपत्र लेखा अधिकारी के पास भेजेगा कि उपर्युक्त खण्ड (क्लाज) (क) अथवा (ख) उल्लिखित कर्मचारी ने आवश्यक बंधपत्र का निष्पादन किया है ।

(4) (क) पाठ्यक्रम अध्ययन की समाप्ति के बाद कर्मचारी अपने प्राधिकारी, जिसने उसे अध्ययन छुट्टी मंजूर की है, के पास उत्तीर्ण परीक्षाओं के प्रमाणपत्र अथवा विशेष पाठ्यक्रम अध्ययन के प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें पाठ्यक्रम शुरू होने और समाप्त होने की तारीख यदि कोई हो, टिप्पणी और पाठ्यक्रम अध्ययन के प्रभारी प्राधिकारी के विवरण होंगे ।

9. मौजूदा विनियम-6 को विनियम-7 के रूप में नई संख्या दी जाए और निम्नप्रकार से शीर्षक का प्रतिस्थापन किया जाए :

7. अध्ययन छुट्टी की गणना और दूसरे प्रकार की छुट्टी के साथ जोड़ना :

निम्नलिखित को विनियम-7(1) के रूप में जोड़ा जाए :

7(1) अध्ययन छुट्टी को कर्मचारी की छुट्टी खाते में नहीं ढालना होगा ।

10(2) मौजूदा विनियम-6(2) को विनियम-7(2) के रूप में नई संख्या दी जाए ।

11.1 मौजूदा विनियम-6(2) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए तथा इसे विनियम-7(3) की नई संख्या दी जाए ।

7(3) कर्मचारी, जिसे दूसरी प्रकार की छुट्टी के साथ जोड़कर अध्ययन छुट्टी मंजूर की गई है, यदि वह चाहता हो तो दूसरी प्रकार की छुट्टी के दौरान वह पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकता है अथवा अध्ययन आरंभ कर सकता है और विनियम-9(2) में लिखित अन्य शर्तों को पूरा करता है तो वह इससे सम्बन्धित अध्ययन भत्ते को प्राप्त कर सकता है ।

परंतु यह कि पाठ्यक्रम अध्ययन के साथ मेल खाते इस प्रकार की छुट्टी की अवधि को अध्ययन छुट्टी के रूप में गणना नहीं की जाएगी ।

12. मौजूदा विनियम-7 को विनियम-8 के रूप में नई संख्या दी जाए और "प्रिवियस" और "आफ" के बीच आने वाले "असेंट" शब्द का प्रतिस्थापन "मंजूरी" शब्द से की जाए ।

13. निम्नलिखित को विनियम-9 के रूप में जोड़ा जाए :

9 (1) अध्ययन छुट्टी के दौरान अध्ययन वेतन :— भारत से बाहर ली गई अध्ययन छुट्टी के दौरान कर्मचारी को इस प्रकार की छुट्टी पर जाने से तत्काल पूर्व छुट्टी में रहने पर जो वेतन मिलता था उसके बराबर का छुट्टी वेतन मिलेगा तथा इसके साथ मंहगाई तथा मकान किराया भत्ता और अध्ययन भत्ता, जो भी ग्राह्य है, मिलेगा ।

2 (क) भारत में ली गई अध्ययन छुट्टी के दौरान कर्मचारी को इस प्रकार की छुट्टी पर जाने से तत्काल पूर्व छुट्टी में रहने पर जो वेतन मिलता था उसके बराबर का छुट्टी वेतन मिलेगा तथा इसके साथ मंहगाई भत्ता तथा मकान किराया भत्ता, जो भी ग्राह्य है, मिलेगा ।

(ख) उपर्युक्त खण्ड (क) के तहत पूर्ण दर पर छुट्टी वेतन के भुगतान की शर्त यह होगी कि कर्मचारी इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि उसे कोई वजीफा, वृत्तिका अथवा अंशकालिक रोजगार के बारे में मेहनताना मिलता है ।

(ग) अध्ययन छुट्टी के दौरान कर्मचारी द्वारा प्राप्त वजीफा, वृत्तिका अथवा अंशकालिक रोजगार के संबंध में मेहनताना की रकम को देय छुट्टी वेतन में समंजन किया जाएगा बशर्ते कि यह रकम अर्ध-वेतन छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन के रूप में देय रकम से कम नहीं होगा ।

(घ) भारत में पाठ्यक्रम अध्ययन के लिए अध्ययन छुट्टी के दौरान कोई अध्ययन भत्ता नहीं दिया जाएगा ।

14. मौजूदा विनियम-8 को विनियम-10(1) के रूप में नई संख्या दी जाए और निम्नलिखित को विनियम-10(2) और (3) के रूप में जोड़ा जाए ।

(2) जहां कर्मचारी को छुट्टी वेतन के साथ-साथ कोई वजीफा अथवा वृत्तिका जो किसी भी स्रोत से दी जाती हो और किसी अंशकालिक रोजगार के संबंध में कोई मेहनताना को प्राप्त करने और रख लेने की अनुमति दी गई हो :

(क) अध्ययन भत्ता ग्राह्य नहीं होगा यदि इस प्रकार के वजीफा अथवा वृत्तिका अथवा मेहनताना की कुल रकम (वजीफा या वृत्तिका या मेहनताना से कर्मचारी द्वारा प्रदत्त फीस की रकम को घटाने के बाद प्राप्त रकम) अन्यथा ग्राह्य अध्ययन भत्ते की रकम से अधिक हो ।

(ख) यदि वजीफा या वृत्तिका या मेहनताना की कुल रकम अन्यथा ग्राह्य अध्ययन भत्ते से कम हो तो वजीफा या वृत्तिका या अंशकालिक रोजगार के मेहनताना की रकम और अध्ययन भत्ते की रकम के अंतर की रकम की मंजूरी छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जा सकती है ।

(3) कर्मचारी उसकी अपनी सुविधा के लिए जब अध्ययन में व्यवधान करता है तो उस व्यवधान की अवधि में अध्ययन भत्ता नहीं दिया जाएगा परंतु यह कि इस प्रकार के व्यवधान के दौरान एक समय में 14 दिन से अनधिक अवधि के लिए छुट्टी मंजूर करने वाला प्राधिकारी इस प्रकार के अध्ययन भत्ते के लिए मंजूरी देता है यदि यह अवधि बीमारी के कारण हो ।

15. मौजूदा विनियम-11 (2)(i) और (ii) को विनियम-10(4)(क) और (ख) के रूप में और विनियम-11(3) को विनियम-10(4)(ग) के रूप में नई संख्या दी जाए ।

16. मौजूदा विनियम-9 को विनियम-10 (5) के रूप में नई संख्या दी जाए और शीर्षक को छोड़ दिया जाए ।

17. मौजूदा विनियम-10 को विनियम-11 के रूप में नई संख्या दी जाए और विनियम-10(2) को छोड़ दिया जाए ।

18. मौजूदा विनियम-11 को विनियम-12 के रूप में नई संख्या दी जाए और उप शीर्ष "अध्ययन भत्ता मंजूर करने के लिए शर्तित शर्तों" को "अध्ययन भत्ते के भुगतान के लिए प्रक्रिया" के रूप में प्रतिस्थापित किया जाए ।

19. निम्नलिखित को विनियम-12(1) के रूप में जोड़ा जाए :

12 (1) अध्ययन भत्ते का भुगतान कर्मचारी द्वारा इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के अधीन होगा कि उसे कोई वजीफा, वृत्तिका अथवा किसी अंशकालिक रोजगार से मेहनताना नहीं मिला है।

20. मौजूदा विनियम-11(1), (2) और (3) को क्रमशः विनियम-12(2), (3) और (4) की नई संख्या दी जाए और विनियम-12(2) के अंत में निम्न जोड़ा जाए :

“अथवा गुजारे समय, जिसके लिए अध्ययन भत्ते का दावा किया गया है, के उचित उपयोग के बारे में छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी को संतुष्ट नहीं करता है।”

21. मौजूदा विनियम-11 (4) तथा उसके परंतुक को छोड़ दिया जाए और मौजूदा विनियम 11 (5), (6) और (7) को विनियम 12(3)(क), (ख) और (ग) के रूप में पढ़ने के लिए नई संख्या दी जाए।

22. निम्नलिखित को विनियम-12(3)(घ) के रूप में जोड़ा जाए और विनियम-11(8)(i) और विनियम-11 (8) (ii) को छोड़ दिया जाए।

12.3 (घ) छुट्टी मंजूर करने वाला प्राधिकारी निर्णय करेगा कि क्या डायरी और रिपोर्ट यह दर्शाती है कि कर्मचारी ने समय के उचित उपयोग किया है और तदनुसार यह निर्णय करेगा कि किन अवधियों के लिए भत्ता मंजूर की जाएगी।

23. मौजूदा विनियम-12 और विनियम-13 को छोड़ दिया जाए।

24. मौजूदा विनियम-14 को विनियम-13 की नई संख्या दी जाए तथा इसका प्रतिस्थापन निम्नलिखित से की जाए :

13. अध्ययन छुट्टी के साथ-साथ भत्ते की ग्राह्यता :

(1) प्रथम 180 दिन अध्ययन छुट्टी के लिए कर्मचारी को समय-समय पर ग्राह्य दरों पर मकान किराया भत्ता अदा किया जाएगा जिस स्थान से वह अध्ययन के लिए चला गया हो। प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के अधीन 180 से अधिक दिनों के आगे मकान किराया भत्ता दिया जाएगा।

(2) उप विनियम (1) के तहत ग्राह्य मकान किराया भत्ता और महंगाई भत्ता तथा अध्ययन भत्ता, जहां ग्राह्य है, को छोड़कर उसे मंजूर अध्ययन छुट्टी की अवधि के लिए कर्मचारी को कोई दूसरा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

(3) कर्मचारी, जिसे अध्ययन छुट्टी मंजूर की गई है, को प्रथम 120 दिन (अब 180 दिन) के अध्ययन छुट्टी के दौरान समय-समय पर ग्राह्य दरों पर नगर प्रतिपूर्ति भत्ता दिया जाएगा जिस स्थान से कर्मचारी अध्ययन छुट्टी पर चला गया है। प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के अधीन 120 दिन (अब 180 दिन) के आगे नगर प्रतिपूर्ति भत्ता दिया जाएगा।

25. मौजूदा विनियम-15 और विनियम-16 को क्रमशः विनियम-14 और विनियम-15 के रूप में नई संख्या दी जाए।

26. मौजूदा विनियम-17 को छोड़ दिया जाए।

27. मौजूदा विनियम-18 को विनियम-16 के रूप में नई संख्या दी जाए तथा उप-शीर्ष “अध्ययन छुट्टी” के बाद त्यागपत्र अथवा सेवानिवृत्ति अथवा पाठ्यक्रम अध्ययन का पालन नहीं करना के रूप पढ़ने के प्रतिस्थापित किया जाए तथा निम्नलिखित को विनियम-16 (i) और (ii) के रूप में जोड़ा जाए :

(i) अध्ययन छुट्टी की अवधि के बाद अथवा तीन वर्ष की अवधि के भीतर छुट्टी पर आए बिना ही यदि कर्मचारी त्यागपत्र देता है अथवा सेवा से निवृत्त होता अथवा अन्यथा सेवा को छोड़ देता है तो, उसके बाद छुट्टी पर आता है (अथवा पाठ्यक्रम का अध्ययन पूरा नहीं करता है और इस प्रकार आवश्यक प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सकता है) तो उसे :

(ii) उसके त्यागपत्र को स्वीकारने से पहले या निवृत्त होने की अनुमति देने से पहले अथवा अन्यथा उसके द्वारा सेवानिवृत्त होने से पहले वास्तविक खर्च, यदि कोई, अथवा दूसरी एजेन्सियों, उदाहरण विदेशी सरकारी फाउण्डेशन ट्रस्ट आदि द्वारा पाठ्यक्रम अध्ययन के संबंध में किया गया खर्च मांग की तारीख से सरकारी ऋणों पर वर्तमान में लागू दरों पर इस पर ब्याज सहित खर्च को वापस करना होगा।

28. मौजूदा विनियम-19 और विनियम-23 को छोड़ दिया जाए।

29. शेष मौजूदा विनियमों को निम्नलिखित रूप में नई संख्या दी जाए और पढ़ा जाए :

(क) विनियम-20 को विनियम-27 के रूप में

(ख) विनियम-21 को विनियम-18 के रूप में

(ग) विनियम-22 को विनियम-19 के रूप में

(घ) विनियम-24 को विनियम-20 के रूप में

पाठ टिप्पणी :—मूल विधियों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था देखें, सा. का. नि. सं. 962 दिनांक 1-7-64.

[पी आर-12016/48/94-पीई-1]

ए. के. रस्तोगी, संयुक्त सचिव

## फार्म-ए

## अध्ययन छुट्टी पर जा रहे स्थायी कर्मचारी द्वारा निष्पादित किए जाने वाला बंधपत्र

यह सबको ज्ञात हो कि मैं श्री/श्रीमती/कुमारी..... निवासी..... जिला..... इस समय जो कि.....के रूप में मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल के..... विभाग में कार्यरत यहां अपने आप तथा अपने वारिस, निष्पादक, प्रशासक को आबद्ध करता हूँ कि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल (इसके आगे जिसे "मण्डल" कहा गया है) द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय लागू सरकारी दरों पर ब्याज सहित अथवा भारत से भिन्न किसी अन्य देश में भुगतान किया गया हो तो उपर्युक्त रकम की समतुल्य रकम उस देश की मुद्रा में उस देश और भारत के बीच के सरकारी विनियम दर पर परिवर्तित करके और अटर्नी और मुवक्किल के बीच का सभी व्यय और मण्डल द्वारा उठाये जाने वाली या उठाई गई सभी व्यय सहित रु. .... (रुपये.....मात्र) की राशि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल को (जिसे इसके आगे "मण्डल" कहा गया है) अदा की जाती है ।

जब कि मुझे.....को मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी दिया गया है ।

और जब कि मैं मण्डल की बेहतर सुरक्षा के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन यह बंधपत्र निष्पादित करने के लिए सहमत हूँ ।

उपरोक्त लिखित बन्धक के अधीन शर्त यह है कि अध्ययन छुट्टी की अवधि की समाप्ति के बाद मेरे द्वारा ड्यूटी पर वापस नहीं आने पर, अथवा सेवा से त्यागपत्र देने अथवा सेवानिवृत्त होने अथवा ड्यूटी पर आये बिना ही अन्यथा सेवा छोड़ देने पर, अथवा पाठ्यक्रम का अध्ययन पूरा नहीं करने पर, अथवा ड्यूटी पर वापस आने के बाद तीन वर्ष के भीतर किसी भी समय, अथवा तीन वर्ष की निर्धारित अवधि के दौरान किसी प्रकार के कदाचार के लिए सेवा से बरखास्त किये जाने अथवा निकाल दिये जाने की स्थिति में किसी भी समय मण्डल द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय सरकारी दरों पर ब्याज सहित रु. .... (रुपये.....मात्र) तुरंत या मण्डल के निदेशानुसार अदा करूंगा ।

मेरे द्वारा इस प्रकार भुगतान करने पर उपरोक्त लिखित बंधन निरर्थक हो जाएगा, अन्यथा यह पूर्णतः प्रवृत्त और बलशाली रहेगा ।

बंधपत्र सभी प्रकार से इस समय प्रवृत्त भारतीय विधि द्वारा शासित होगा और नीचे दिए गए हक और दायित्वाएं, जहां आवश्यक हो, भारत में उचित न्यायालयों द्वारा अवधारित किया जाएगा ।

दिनांक.....को हस्ताक्षर किया और निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी 1. ....

2. ....

स्वीकृत

मुरगांव पत्तन की न्यासी मण्डल  
के लिए और उसकी ओर से

## फार्म-बी

## अध्ययन छुट्टी के विस्तार की मंजूरी देने पर स्थायी पत्तन कर्मचारी द्वारा निष्पादित किए जाने वाला बंधपत्र

यह सबको ज्ञात हो कि मैं श्री/श्रीमती/कुमारी..... निवासी..... जिला..... इस समय जो कि.....के रूप में मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल के..... विभाग में कार्यरत यहां अपने आप तथा अपने वारिस, निष्पादक, प्रशासक को आबद्ध करता हूँ कि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल (इसके आगे जिसे "मण्डल" कहा गया है) द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय लागू सरकारी दरों पर ब्याज सहित अथवा भारत से भिन्न किसी अन्य देश में भुगतान किया गया हो तो उपर्युक्त रकम की समतुल्य रकम उस देश की मुद्रा में उस देश और भारत के बीच के सरकारी विनियम दर पर परिवर्तित करके और अटर्नी और मुवक्किल के बीच का सभी व्यय और मण्डल द्वारा उठाये जाने वाली या उठाई गई सभी व्यय सहित रु. .... (रुपये.....मात्र) की राशि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल को (जिसे इसके आगे "मण्डल" कहा गया है) अदा की जाती है ।

जब कि मुझे दिनांक.....से दिनांक.....तक मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी दिया गया है, जिसके प्रतिफल स्वरूप मण्डल के पक्ष में रु. .... (रुपये.....मात्र) के लिए दिनांक.....में बंधपत्र का निष्पादन करता हूँ ।

जब कि मेरे अनुरोध पर दिनांक.....तक मुझे अध्ययन छुट्टी बढ़ा दी गई है ।

जब कि मैं मण्डल की बेहतर सुरक्षा के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन यह बंधपत्र निष्पादित करने के लिए सहमत हूँ ।

उपरोक्त लिखित बन्धक के अधीन शर्त यह है कि बढ़ाई गई अध्ययन छुट्टी की समाप्ति के बाद मेरे द्वारा ड्यूटी पर वापस नहीं आने पर, अथवा सेवा से त्यागपत्र देने अथवा सेवानिवृत्ति होने अथवा ड्यूटी पर आये बिना ही अन्यथा सेवा छोड़ देने पर, अथवा पाठ्यक्रम का अध्ययन पूरा नहीं करने पर अथवा ड्यूटी पर वापस आने के बाद तीन वर्षों के भीतर किसी भी समय, अथवा तीन वर्ष की निर्धारित अवधि के दौरान किसी प्रकार के कदाचार के लिए सेवा से बरखास्त किये जाने अथवा निकाल दिये जाने की स्थिति में किसी भी समय मण्डल द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय सरकारी दरों पर ब्याज सहित रु. ....(रुपये.....मात्र) तुरंत या मण्डल के निर्देशानुसार वापस करेगा ।

मेरे द्वारा इस प्रकार भुगतान करने पर उपरोक्त लिखित बंधन निरर्थक हो जाएगा, अन्यथा यह पूर्णतः प्रवृत्त और बलशाली रहेगा ।

बंधपत्र सभी प्रकार से इस समय प्रवृत्त भारतीय विधि द्वारा शासित होगा और नीचे दिए गए हक और दायित्वाएं, जहां आवश्यक हो, भारत में उचित न्यायालयों द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

दिनांक.....को हस्ताक्षर किया और निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी 1. ....

2. ....

स्वीकृत

मुरगांव पत्तन की न्यासी मण्डल  
के लिए और उसकी ओर से

#### फार्म-सी

#### अध्ययन छुट्टी पर जा रहे पत्तन के अस्थायी कर्मचारी द्वारा निष्पादित किए जाने वाला बंधपत्र

यह सबको ज्ञात हो कि हम,.....निवासी.....जिला.....इस समय जो कि.....के रूप में.....विभाग में कार्यरत (जिसे इसमें आगे "बाध्यताधारी" कहा गया है) और श्री/श्रीमती/कुमारी.....सुपुत्र/सुपुत्री.....निवासी.....और श्री/श्रीमती/कुमारी.....सुपुत्र/सुपुत्री.....निवासी.....(जिन्हें इसमें आगे "प्रतिभू" कहा गया है) एतद्वारा संयुक्त रूप में और अलग-अलग से अपने आपको और हमारे सम्बन्धित वारिस, निष्पादक, प्रशासक को आबद्ध करते हैं कि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल (इसके आगे जिसे "मण्डल" कहा गया है) द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय लागू सरकारी दरों पर ब्याज सहित अथवा भारत से भिन्न किसी अन्य देश में भुगतान किया गया हो तो उपर्युक्त रकम की समतुल्य रकम उस देश की मुद्रा में उस देश और भारत के बीच के सरकारी विनियम दर पर परिवर्तित करके और अटर्नी और मुकदमाल के बीच का सभी व्यय और मण्डल द्वारा उठाये जाने वाले या उठाई गई सभी व्यय सहित रु. ....(रुपये.....मात्र) की राशि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल को (जिसे इसमें आगे "मण्डल" कहा गया है) अदा की जाती है ।

जब कि बाध्यताधारी को मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी दी गई है ।

और जब कि मण्डल की बेहतर सुरक्षा के लिए बाध्यताधारी निम्नलिखित शर्तों के अधीन यह बंधपत्र निष्पादित करने के लिए सहमत हो गया है ।

और जब कि कथित प्रतिभू उपर्युक्त बंधन की ओर से यह बंधपत्र निष्पादित करने के लिए सहमत हैं ।

उपरोक्त लिखित बंधन के अधीन शर्त यह है कि बाध्यताधारी श्री/श्रीमती/कुमारी.....अध्ययन छुट्टी की अवधि की समाप्ति के बाद ड्यूटी पर वापस नहीं आने पर, अथवा सेवा से त्यागपत्र देने, अथवा सेवानिवृत्त होने, अथवा ड्यूटी पर आये बिना ही अन्यथा सेवा छोड़ देने पर अथवा पाठ्यक्रम का अध्ययन पूरा नहीं करने पर, अथवा ड्यूटी पर वापस आने के बाद तीन वर्षों के भीतर किसी भी समय, अथवा तीन वर्ष की निर्धारित अवधि के दौरान किसी प्रकार के कदाचार के लिए सेवा से बरखास्त किए जाने अथवा निकाल दिए जाने की स्थिति में बाध्यताधारी और प्रतिभू मण्डल द्वारा मांगे जाने पर मांग की स्थिति में बाध्यताधारी और प्रतिभू मण्डल द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय सरकारी दरों पर ब्याज सहित रु. ....(रुपये.....मात्र) तुरंत या मण्डल के निर्देशानुसार अदा किया जाएगा ।

इस प्रकार बाध्यताधारी श्री/श्रीमती/कुमारी.....अथवा प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....और, अथवा प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....द्वारा भुगतान किये जाने पर उपरोक्त लिखित अनिवार्य शर्त निरर्थक हो जाएगी और उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, अन्यथा वह पूर्ण तथा प्रचलित एवं सार्थक होगी ।

प्रतिभू ने जो बाध्यता स्वीकार की है, वह मण्डल द्वारा या उनके द्वारा प्राधिकृत किसी भी व्यक्ति द्वारा (चाहे प्रतिभू हों की सहमति और जानकारी के साथ या बिना) समय बढ़ाये जाने के कारण, अथवा किसी प्रचीति, कार्य अथवा लोप के कारण न तो विकृत होगी और न ही उन्मोचित होगी और न किसी प्रकार मण्डल को यह आवश्यक होगा कि देय रकम के लिए प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....और प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....पर या उसमें किसी पर मुकदमा दायर करने से पहले बाध्यताधारी पर मुकदमा दायर करें।

बंधपत्र सभी प्रकार से इस समय प्रवृत्त भारतीय विधि द्वारा शासित होगा और नीचे दिए गए हक और दायित्वाएं, जहां आवश्यक हो, भारत में उचित न्यायालयों द्वारा अवधारित किया जाएगा।

दिनांक.....को हस्ताक्षर किया गया।

उपरोक्त बाध्यताधारी श्री/श्रीमती/कुमारी.....ने निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी: 1.....

2.....

उपरोक्त प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....ने निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी : 1.....

2.....

उपरोक्त प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....ने निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी: 1.....

2.....

स्वीकृत

मुरगांव पत्तन की न्यासी

मण्डल के लिए और उसकी ओर से

### फार्म - डी

अध्ययन छुट्टी के विस्तार की मंजूरी दिए जाने पर पत्तन के अस्थाई कर्मचारी द्वारा निष्पादित किए जाने वाला बंधपत्र

यह सबको ज्ञात हो कि हम,.....निवासी.....जिला.....इस समय जो कि.....के रूप में.....विभाग में, कार्यरत (जिसे इसमें आगे "बाध्यताधारी" कहा गया है) और श्री/श्रीमती/कुमारी.....सुपुत्र/सुपुत्री.....निवासी.....और श्री/श्रीमती/कुमारी.....सुपुत्र/सुपुत्री.....निवासी.....(जिन्हें इसमें आगे "प्रतिभू" कहा गया है) एतद्वारा संयुक्त रूप में और अलग-अलग से अपने आपको और हमारे सम्बन्धित चारिस, निष्पादक, प्रशासक को आबद्ध करते हैं कि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल (इसके आगे जिसे "मण्डल" कहा गया है) द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय लागू सरकारी दरों पर ब्याज सहित अथवा भारत से भिन्न किसी अन्य देश में भुगतान किया गया हो तो उपर्युक्त रकम की समतुल्य रकम उस देश की मुद्रा में उस देश और भारत के बीच के सरकारी विनिमय दर पर परिवर्तित करके और अटर्नी और मुकदमा के बीच का सभी व्यय और मण्डल द्वारा उठाये जाने वाले या उठाई गई सभी व्यय सहित रु. .... (रुपये.....मात्र) की राशि मुरगांव पत्तन के न्यासी मण्डल को (जिसे इसमें आगे "मण्डल" कहा गया है) अदा की जाती है।

जब कि बाध्यताधारी को मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी दी गई है।

और जब कि बाध्यताधारी के अनुरोध पर दिनांक.....तक अध्ययन छुट्टी को बढ़ा दिया गया है।

और जब कि मण्डल की बेहतर सुरक्षा के लिए बाध्यताधारी निम्नलिखित शर्तों के अधीन यह बंधपत्र निष्पादित करने के लिए सहमत हो गया है।

और जब कि कथित प्रतिभू उपर्युक्त बंधन की ओर से यह बंधपत्र निष्पादित करने के लिए सहमत हैं।

उपरोक्त लिखित बंधन के अधीन शर्त यह है कि बाध्यताधारी श्री/श्रीमती/कुमारी.....अध्ययन छुट्टी की अवधि की समाप्ति के बाद ड्यूटी पर वापस नहीं आने पर, अथवा सेवा से त्यागपत्र देने, अथवा सेवानिवृत्त होने, अथवा ड्यूटी पर आये बिना ही अन्यथा सेवा छोड़ देने पर अथवा ड्यूटी पर वापस आने के बाद तीन वर्ष के भीतर किसी भी समय, अथवा तीन वर्ष की निर्धारित अवधि के दौरान किसी प्रकार के कदाचार के लिए सेवा से बरखास्त किये जाने अथवा निकाल दिये जाने की स्थिति में बाध्यताधारी और प्रतिभू मण्डल द्वारा मांगे जाने पर मांग की तारीख से मण्डल के ऋणों पर इस समय सरकारी दरों पर ब्याज सहित रु. .... (रुपये.....मात्र) तुरंत या मण्डल के निर्देशानुसार अदा किया जाएगा।

इस प्रकार बाध्यताधारी श्री/श्रीमती/कुमारी.....अथवा प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी .....और, अथवा प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी..... द्वारा भूगतान किये जाने पर उपरोक्त लिखित अनिवार्य शर्त निरर्थक हो जाएगी और उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, अन्यथा वह पूर्ण प्रचलित एवं सार्थ होगी।

प्रतिभू ने जो बाध्यता स्वीकार की है, वह मण्डल द्वारा या उनके द्वारा प्राधिकृत किसी भी व्यक्ति द्वारा (चाहे प्रतिभू हों की सहमति और जानकारी के साथ या बिना) समय बढ़ाये जाने के कारण, अथवा किसी प्रवर्ति, कार्य अथवा लोप के कारण न तो विकृत होगी और न ही उन्मोचित होगी और न किसी प्रकार मण्डल को यह आवश्यक होगा कि देय रकम के लिए प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....और प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....पर या उसमें किसी पर मुकदमा दायर करने से पहले बाध्यताधारी पर मुकदमा दायर करें।

बंधपत्र सभी प्रकार से इस समय प्रवृत्त भारतीय विधि द्वारा शासित होगा और नीचे दिए गए हक और दायित्वाएं, जहां आवश्यक हो, भारत में उचित न्यायालयों द्वारा अवधारित किया जाएगा।

दिनांक.....को हस्ताक्षर किया गया।

उपरोक्त बाध्यताधारी श्री/श्रीमती/कुमारी.....ने निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी: 1.....

2.....

उपरोक्त प्रतिभू श्री/श्रीमती/कुमारी.....ने निम्नलिखित साक्षी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया और परिदान किया :

साक्षी : 1.....

2.....

स्वीकृत

मुरगांव पत्तन की न्यासी

मण्डल के लिए और उसकी ओर से

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 20th September, 1996

**GSR 434(E).**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees (Study Leave) Amendment Regulations, 1996 made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of Publication of this notification in the Official Gazette.

### SCHEDULE

#### AMENDMENT TO MORMUGAO PORT EMPLOYEES (STUDY LEAVE) REGULATIONS, 1964

In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Section 124 (1) (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1964) the Board of Trustees of the Port of Mormugao hereby makes the following regulation further to amend the Mormugao Port Employees (Study Leave) Regulations, 1964.

- (i) These regulations may be called the Mormugao Port Employees (Study Leave) (Amendment) Regulations, 1996.
- (ii) They shall come into force with effect from the date on which the approval of Central Government to these regulations gets notified in the Gazette of India.

1. Insert the following at the end of Regulation 3(2) (iii) :



**NOTE :** Applications for study leave in cases falling under (iii) shall be considered on merits of each case.

2. Insert the following 2 provisions in between Regulation 3.3(i) & (iii) :

Provided that a Medical Officer may be granted study leave for prosecuting a course of Post-graduate study in Medical Sciences if the Chief Medical Officer certifies to the effect that such study shall be valuable in increasing the efficiency of such Medical Officer in the performance of his duties.

Provided also that a specialist or a technical person may be granted study leave, on merits of each case for prosecuting a post-graduate course of study directly related to the sphere of his duty in case the Head of the Department concerned certifies that the course of study shall enable the specialist or the technical person, as the case may be, to keep abreast with modern development in the field of his duty, improve his technical standard and competence and thus substantially benefit.

3. Delete the existing Regulation 3 (5) (i) and substitute with the following :

Regulation 3 (5) : Study leave may be granted to an employee :

(i) who has satisfactorily completed period of probation and has rendered not less than five years regular continuous service (including the period of probation) in the Port.

4. Delete the existing Regulation 3 (5) (ii) and renumber the existing Regulation 3 (5) (iii) as 3 (5) (ii).

5. Add the following as Regulation 3.5 (iii) :

(iii) who executes a bond undertaking to serve the Port for a period of three years after the expiry of leave.

6. In Regulation 5 (i) delete the words "which shall not be exceeded save for exceptional reasons" and read as follows:

"Ordinarily twelve months at any one time"

7. Add the following explanations (i) & (ii) at the end of Regulation 5 (ii) :

**EXPLANATION :**—(i) Study leave can be availed of by an employee in more than one spell also subject to the condition that such study leave availed of in different spells does not exceed 24 months.

(ii) Study leave can also be granted by the competent authority for a period exceeding 12 months upto the maximum limit of 24 months at a stretch provided all the other conditions precedent to grant of study leave are fulfilled.

8. The following shall be inserted as Regulation 6.

**Regulation 6: Application for study leave :**

(1) (i) Every application for study leave shall be submitted through proper channel to the authority competent to grant leave.

(ii) The course or courses of study contemplated by the employee and any examination, which he proposes to undergo, shall be clearly specified in such applications.

2. Where it is not possible for the employee to give full details in his application, or if, after leaving India, he is to make any change in the programme, which has been approved in India, he shall submit the particulars as soon as possible to the authority competent to grant leave, and shall not unless prepared to do so at his own risk, commence the course of study or incur any expenses in connection therewith until he receives the approval of the authority competent to grant the study leave for the course.

**Regulation 6 (a) SANCTION OF STUDY LEAVE:**

(i) A report regarding the admissibility of study leave shall be obtained from the Accounts Officer.

Provided that the study leave, if any, already availed of by the employee, shall be included in the report.

(ii) Where an employee borne permanently on the cadre of one department or establishment is serving temporarily in another department or establishment, the grant of study leave to him shall be subject to the condition that the concurrence of the department or the establishment to which he is permanently attached is obtained before leave is granted.

(iii) (a) Every permanent employee, who has been granted study leave or extension of such study leave, shall be required to execute a bond in Form A or Form B as the case may be, before the study leave or extension of

- such study leave granted to him commences.
- (b) Every employee not in permanent employment who has been granted study leave or extension of such study leave, shall be required to execute a bond in Form C or Form D, as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.
  - (c) The Authority competent to grant leave shall send to the Accounts Officer a certificate to the effect that the employee referred to in clause (a) or clause (b) has executed the requisite bond.
  - (iv) (a) On completion of the course study, the employee shall submit to the Authority, which granted him study leave, the certificates of examinations passed or special courses of study undertaken, indicating the date of commencement and termination of the course with remarks, if any, of the authority in charge of the course of study.

**9. Re-number the existing Regulation 6 as Regulation 7 and substitute the heading as follows :**

**7. Accounting of study leave and combination with leave of other kinds :**

Insert the following as Regulation 7 (2) :

1. Study leave shall not be debited against the leave account of the employee.

10. (2) Re-number the existing Regulation 6 (1), as Regulation 7(2).

**11. Substitute the existing sub-Regulation 6(2), with the following and renumber it as Regulation 7(3).**

7. (3) An employee granted study leave in combination with any other kind of leave may, if he so desires, undertake or commence a course of study during any other kind of leave and subject to other conditions laid down in Regulation 9 (2) being satisfied, draw study allowance in respect thereof.

Provided that the period of such leave coinciding with course of study shall not count as study leave.

12. Re-number the existing regulation 7 as regulation 8 and substitute the word "assent" occurring in between "previous" and "of" as "sanction".

**13. The following shall be added as Regulation 9.**

**9. (1) Leave Salary during Study leave:**

During study leave availed of outside India, an employee shall draw leave salary equal to the pay that the employee drew while on duty immediately before proceeding on such leave and, in addition, Dearness Allowance and House Rent allowance and Study Allowance as admissible.

- (2) (a) During study leave salary availed of in India, an employee shall draw leave salary equal to the pay that the employee drew while on duty immediately before proceeding on such leave and, in addition, Dearness Allowance and House Rent Allowance as admissible.
- (b) Payment of leave salary at full rate under clause (a) shall be subject to furnishing of certificate by the employee to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or remuneration in respect of any part-time employment.
- (c) The amount, if any, received by the employee during the period of study leave as scholarship or stipend or remuneration in respect of any part-time employment, shall be adjusted against the leave salary payable subject to the condition that the leave salary shall not be reduced to an amount less than that payable as leave salary during half-pay leave.
- (d) No Study allowance shall be paid during study leave for courses of study in India.

**14. Re-number the existing regulation 8 as regulation 10(1) and insert the following as Regulation 10(2) & (3).**

(2) Where an employee has been permitted to receive and retain, in addition to his leave salary, any scholarship or stipend that may be awarded to him from any source, or any other remuneration in respect of any part-time employment.

- (a) No study allowance shall be admissible in case the net amount of such scholarship or stipend or remuneration (arrived at by deducting the cost of fees, if any, paid by the employee from the value of scholarship or stipend or remuneration) exceeds the amount of study allowance otherwise admissible.
- (b) In case the net amount of scholarship or stipend or remuneration is less than the study allowance otherwise admissible, the difference between the value of the net scholarship or stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment and the study allowance may be granted by the authority competent to grant leave.

(3) Study allowance shall not be granted for any period during which an employee interrupts his course of study to suit his own convenience. Provided that the authority competent to grant leave may authorise the grant of study allowance for a period not exceeding 14 days at a time during such interruption if it was due to sickness.

**15. Re-number the existing Regulation 11(2) (i) & (ii) as Regulation 10 (4) (A) & (b) and Regulation 11(3) as Regulation 10 (4) (c).**

16. Renumber the existing Regulation 9 as Regulation 10 (5) and delete the heading "Period for which study allowance may be granted".
17. Renumber the existing Regulation 10 as Regulation 11 and delete Regulation 10(2).
18. Renumber the existing Regulation 11 as Regulation 12 and substitute the heading "Conditions governing grant of study allowance" as "Procedure for payment of study allowance".
19. Insert the following as Regulation 12(1).  
12(1) Payment of study allowance shall be subject to the furnishing of a certificate by the employee to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment.
20. Renumber the existing Regulation 11(1)(2)&(3) as Regulation 12(2)(3)&(4) respectively and add the following clause at the end of Regulation 12(2).  
"or on his failure to satisfy the authority competent to grant leave about the proper utilization of the time spent for which study allowance is claimed".
21. Delete the existing Regulation 11(4) and proviso thereto and renumber the existing Regulation 11(5) (6) & (7) to read as Regulation 12(5) (a) (b) & (c).
22. Insert the following as Regulation 12(5) (d) and delete Regulation 11(8)(i) & Regulation 11(8)(ii).
- 12.3 (d) The authority competent to sanction study leave shall decide whether the diary and report show that the time of the employee was properly utilized and shall determine accordingly for what periods allowance may be granted.
23. Delete the existing Regulation 12 and Regulation 13.
24. Renumber the existing Regulation 14 as Regulation 13 and substitute with the following.
13. Admissibility of Allowance in addition to Study Leave:
  - (1) For the first 180 days of study leave, House Rent Allowance shall be paid at the rates admissible to the employee from time to time at the station from where he proceeded on study leave. The continuance of payment of House Rent Allowance beyond 180 days shall be subject to the production of a certificate.
  - (2) Except for House Rent Allowance as admissible under Sub-Regulation (1) above and the Dearness Allowance and Study Allowance, where admissible, no other allowance shall be paid to an employee in respect of the period of study leave granted to him.
  - (3) An employee, who is granted study leave, will be entitled to draw compensatory (City) Allowance during the first 120 days (now 180 days) of the study leave at the rates admissible to an employee from time time at the station from where he proceeded on study leave. The continuance of payment of Compensatory (City) Allowance beyond 120 days (now 180 days) of the study will be subject to the production of a Certificate.
25. Renumber the existing Regulation 15 and Regulation 16 as Regulation 14 and Regulation 15 respectively.
26. Delete the existing Regulation 17.
27. Renumber the existing Regulation 18 as Regulation 16 and substitute the sub-heading to read as "Resignation or Retirement after Study Leave or non-compliance of the course of study" and add the following as Regulations 16(i) and (ii) :
  - (i) If an employee resigns or retires from service or otherwise quits service without returning to duty after a period of study leave or within a period of three years, after such return to duty (or fails to complete the course of study and is thus unable to furnish the requisite certificates), he shall be required to refund:
  - (ii) the actual amount if any, or the cost incurred by other agencies, e.g. Foreign Government, Foundations Trusts etc. in connection with the course of study, together with interest thereon, at rates for the time being in force on Government loans, from the date of demand, before his resignation is accepted, or permission to retire is granted or his quitting service otherwise.
28. Delete the existing Regulation 19 and Regulation 23.
29. Renumber and read the remaining existing regulations as below:
  - (a) Regulation 20 as Regulation 17
  - (b) Regulation 21 as Regulation 18
  - (c) Regulation 22 as Regulation 19
  - (d) Regulation 24 as Regulation 20

[PR-12016/48/94-PE-I]

A. K. RASTOGI, Jt. Secy.

Foot Note: Principal Regulation were published in the Gazette of India Vide GSR No. 962 dated 1-7-64.

**FORM A****BOND TO BE EXECUTED BY PERMANENT PORT EMPLOYEES WHEN PROCEEDING ON STUDY LEAVE**

Know all men by these presents that I, Shri/Shrimati/Kum. .... resident of ..... in the District of ..... at present employed as ..... in the ..... Department of the Board of Trustees of the Port of Mormugao do hereby bind myself and my heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees of the Port of Mormugao (hereinafter called the 'Board') on demand the sum of Rs. .... (Rupees ..... only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India and together with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

Whereas I ..... am granted study leave by Board.

And whereas for the better protection of the Board I have agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written.

Now the condition of the above written obligation is that in the event of my failing to resume duty, or resigning or retiring from service or otherwise quitting service without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or failing to complete the course of study or at any time within a period of three years after my return to duty or in the event of my dismissal or removal from the services for any kind of misconduct during the prescribed period of 3 years, I shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board, on demand the said sum of Rs. .... (Rs. .... only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Board loans.

And upon my making such payment the above written obligations shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

Signed and dated this.....day of.....one thousand nine hundred and.....

Signed and delivered by.....

.....  
in the presence of .....

Witnesses: 1. ....

2. ....

ACCEPTED

For and on behalf of the  
Board of Trustees of the  
Port of Mormugao.

**FORM B****BOND TO BE EXECUTED BY PERMANENT PORT EMPLOYEES WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE**

Know all men by these presents that I, Shri/Shrimati/Kum. .... resident of ..... in the District of ..... at present employed as ..... in the ..... Department of the Board of Trustees of the Port of Mormugao do hereby bind myself and my heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees of the Port of Mormugao (hereinafter 'called the Board') on demand the sum of Rs. .... (Rupees ..... only) together with interest thereon from the date of demand at Cost rates for the time being in force on Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India and together with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board

Whereas I ..... was granted study leave by Board for the period from.....to.....in consideration of which I execute a bond, dated.....for Rs. .... (Rupees.....only) in favour of the Board.

And whereas the extension of study leave has been granted to me at my request until.....

And whereas for the better protection of the Board I have been agreed to execute this bond with such conditions as hereunder are written.

Now the condition of the above written obligation is that in the event of my failing to resume duty, or resigning or retiring from service or otherwise quitting service without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave so extended or failing to complete the course of study or any time within a period of three years after my return to

duty or in the event of my dismissal or removal from the service for any kind of misconduct during the prescribed period of 3 years, I shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board, on demand the said sum of Rs. .... (Rs. .... only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Board's loans.

And upon my making such payment the above written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly determined by the appropriate courts in India.

Signed and dated this.....day of.....one thousand nine hundred and.....

Signed and delivered by.....

.....  
in the presence of.....

Witnesses: 1. ....

2. ....

ACCEPTED

For and on behalf of the  
Board of Trustees of  
Port of Mormugao

### FORM C BOND TO BE EXECUTED BY TEMPORARY PORT EMPLOYEES WHEN PROCEEDING ON STUDY LEAVE

Know all men by these presents that we.....residents of.....in the district of.....at present employed in the.....Department (hereinafter called "the obligor") and Shri/Shrimati/Kumari.....son/daughter of.....r/o.....and Shri/Shrimati/Kumari.....son/daughter of.....r/o.....(hereinafter called "the sureties") do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees of Port of Mormugao (hereinafter called "the Board") on demand the sum of Rs.....(Rupees.....only) together with interest thereon from the date of demand at Govt. rates for the time being in force on Board loans or, if payment is made in a country other than in India the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

Whereas the obligor was granted study leave by Board.

And whereas for the better protection of the Board the obligor has agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written:

And whereas the said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the above bounden.....

Now the condition of the above written obligations is that in the event of the obligor Shri/Shrimati/Kumari.....failing to resume duty, or resigning from service or otherwise quitting service without returning to duty after the expiry or termination of the period of the study leave or failing to complete the course of study or at any time within a period of three years after his return to duty or in the event of dismissal or removal from the service for any kind of misconduct during the prescribed period of 3 years the obligor and the sureties shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board, on demand the said sum of Rs.....(Rupees.....only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Board loans.

And upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari.....and, or Shri/Shrimati/Kumari.....and, or Shri/Shrimati/Kumari.....the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue:

Provided always that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reason of time being granted or by any forbearance, act or omission of the Board or any person authorised by them (whether with or without the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary, for the Board to sue the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari.....and Shri/Shrimati/Kumari.....or any of them for amounts due hereunder.

The bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate courts in India.

Signed and dated this.....day of.....one thousand nine hundred and.....

Signed and delivered by the obligor abovenamed Shri/Shrimati/Kumari.....in the presence of.....

Witnesses: (1) .....

(2) .....

Signed and delivered by the surety abovenamed Shri/Shrimati/Kumari.....in the presence of.....

Witnesses: (1) .....

(2) .....

Signed and delivered by the surety abovenamed Shri/Shrimati/Kumari.....in the presence of.....

Witnesses: (1) .....

(2) .....

ACCEPTED

For and on behalf of the  
Board of Trustees of  
Port of Mormugao

#### FORM D

#### BOND TO BE EXECUTED BY TEMPORARY PORT EMPLOYEES WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE

Know all men by these presents that we.....residents of.....in the district of.....at present employed as.....in the.....Department (hereinafter called "the obligor") and Shri/Shrimati/Kumari.....son/daughter of.....r/o.....and Shri/Shrimati/Kumari.....son/daughter of.....r/o..... (hereinafter called "the sureties") do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees of the Port of Mormugao (hereinafter called "the Board") on demand the sum of Rs..... (Rupees.....only) together with interest thereon from the date of demand at Government rates for the time being in force on Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country, converted at the official rate of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

Whereas the obligor was granted study leave by Board from the period from .....to .....in consideration of which he executed a bond, dated .....for Rs..... (Rupees .....only) in favour of the Board:

And whereas the extension of study leave has been granted to the obligor at his request until .....

And whereas for the better protection of the Board the obligor has agreed to execute this bond with such condition as hereunder written:

And whereas the said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the above bounden.

Now the condition of the above written obligations is that in the event of the obligor Shri/Shrimati/Kumari ..... failing to resume duty, or resigning from service or otherwise quitting service without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave so extended or failing to complete the course of study or at any time within a period of three years after his return to duty or in the event of dismissal or removal from the service for any kind of misconduct during the prescribed period of three years, the obligor and the sureties shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board, on demand the said sum of Rs. .... (rupees .....only) together with interest thereon from the date of demand at Govt. rates for the time being in force on Board loans.

And upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari .....and, or, Shri/Shrimati/Kumari .....and, or Shri/Shrimati/Kumari .....the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

Provided always that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged or by reason of time being granted or by any forbearance, act, or omission of the Board or any person authorised by them (whether with or without the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary, for the Board to sue the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari .....and Shri/Shrimati/Kumari .....or any of them for amounts due hereunder.

The bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate courts in India.

Signed and dated this .....day of .....one thousand nine hundred and .....

Signed and delivered by the obligor abovenamed Shri/Shrimati/Kumari .....in the presence of.....

Witnesses: (1) .....

(2) .....

Signed and delivered by the surety abovenamed Shri/Shrimati/Kumari .....in the presence of.....

Witnesses: (1) .....

(2) .....

Signed and delivered by the surety abovenamed Shri/Shrimati/Kumari .....in the presence of.....

Witnesses: (1) .....

(2) .....

ACCEPTED  
For and on behalf of the  
Board of Trustees of  
Port of Mormugao

